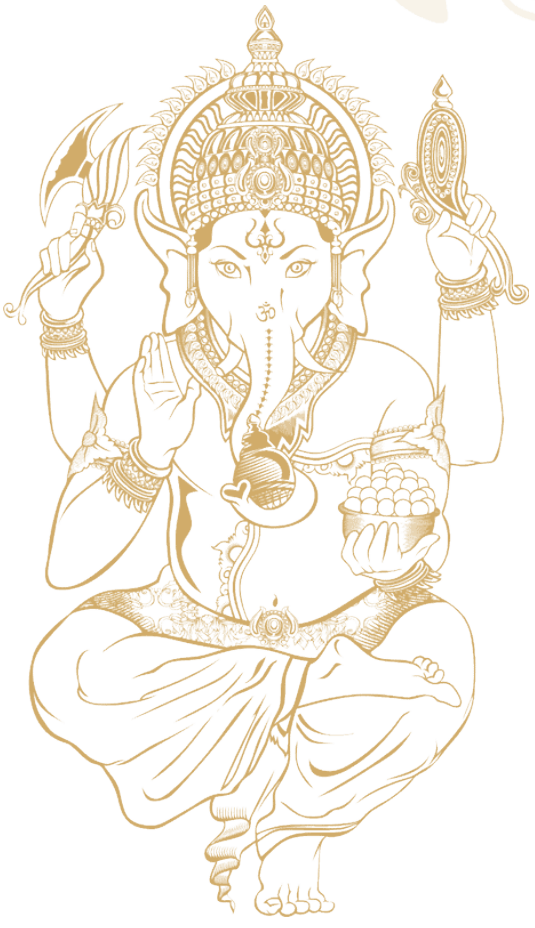

Mr.kansingh

Ms.Jagriti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119933907

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/02/1999	जन्म तिथि	10-11/10/2002
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 20:08:00	जन्म समय	05:30:00 घंटे
घटी 32:33:39	जन्म समय(घटी)	57:19:56 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Jodhpur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:06:32	सूर्योदय	06:34:01
18:34:44	सूर्यास्त	18:14:47
23:50:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:28

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 10मा 8दि		03:09:46	कन्या	लग्न	कन्या	08:23:30	बुध 5वर्ष 1मा 12दि	
गुरु		11:41:35	कुंभ	सूर्य	कन्या	23:36:51	शुक्र	
03/01/2020		01:13:27	मिथु	चंद्र	वृश्चि	25:59:14	22/11/2014	
03/01/2036		15:41:36	तुला	मंगल	कन्या	03:05:25	22/11/2034	
गुरु	21/02/2022	27:29:06	कुंभ	बुध	कन्या	05:55:57	शुक्र	24/03/2018
शनि	03/09/2024	08:44:56	मीन	गुरु	कर्क	19:48:38	सूर्य	24/03/2019
बुध	10/12/2026	09:32:07	मीन	शुक्र व	तुला	21:43:03	चन्द्र	22/11/2020
केतु	16/11/2027	05:44:13	मेष	शनि	मिथु	05:11:38	मंगल	22/01/2022
शुक्र	17/07/2030	28:15:00	कर्क	राहु	वृष	16:07:51	राहु	22/01/2025
सूर्य	05/05/2031	28:15:00	मक	केतु	वृश्चि	16:07:51	गुरु	23/09/2027
चन्द्र	03/09/2032	20:12:37	मक	हर्ष व	कुंभ	01:15:30	शनि	22/11/2030
मंगल	10/08/2033	09:13:25	मक	नेप व	मक	14:19:45	बुध	22/09/2033
राहु	03/01/2036	16:34:06	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:34:00	केतु	22/11/2034

लग्न-चलित

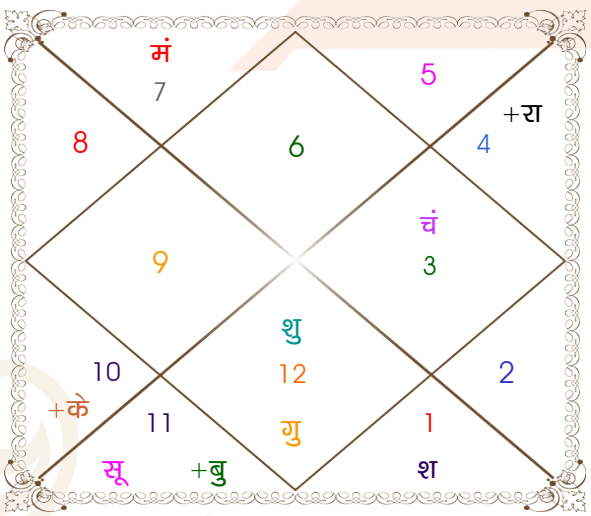

लग्न-चलित

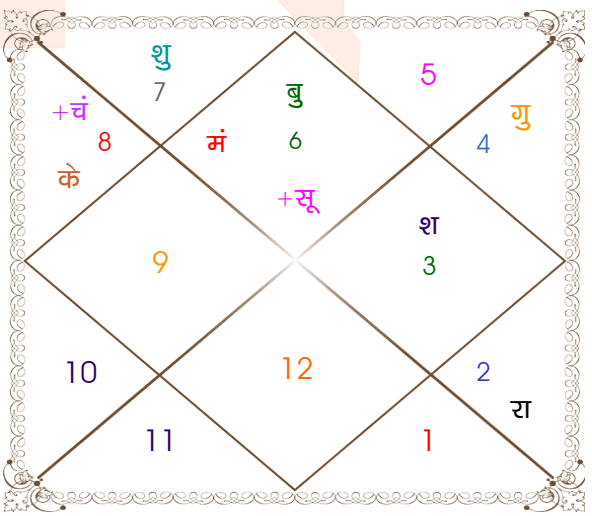

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतणंदेपदही का वर्ग मार्जार है तथा डेण्श्रंहतपजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणंदेपदही और डेण्श्रंहतपजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणंदेपदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्श्रंहतपजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतणंदेपदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणंदेपदही तथा डेण्श्रंहतपजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।